श्री उपसभापति : आर.सी. सिंह जी, आप सिर्फ एसोसिएट कीजिए। ..(व्यवधान)..

श्री आर.सी. सिंह (पश्चिमी बंगाल) : सर, मैं इस विषय से अपने आपको एसोसिएट करता हूँ और साथ ही यह भी कहना चाहता हूँ कि माननीय मंत्री जी के intervention से पिछले साल 18 दिनों की हड़ताल के बाद समझौता हुआ था। वह समझौता अब implement नहीं हुआ, जिसके प्रतिवाद में 20 यूनियन एक साथ मिल कर वहाँ पर हड़ताल कर रही हैं। (**समय की घंटी**) इसलिए मंत्री महोदय इसमें immediately intervene करें और इस समझौते को implement करवाएँ।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करती हूँ।

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं इस विषय से अपने आपको एसोसिएट करता हूँ।

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): Sir, I associate myself with the Zero Hour mention made by Shri Mohammed Amin.

SHRI SHYAMAL CHAKRABORTY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI T.K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI MATILAL SARKAR (Tripura): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

TARINI KANTA ROY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Demand to curb alleged sale of meat blended with cow flesh in Uttar Pradesh and other States of the country

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदय, कल रात एक सनसनीखेज खुलासा सहारा चैनल द्वारा हुआ है। उसके अंतर्गत दिल्ली और दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में मरे हुए पशुओं के मांस को होटलों में ले जाकर खिलाया जा रहा है। उन पशुओं को मारने के लिए माफिया गैंग्स, जो जल्दी ही धन कमा कर करोड़पति बनना चाहते हैं, कई प्रकार के उपाय आजमाते हैं। उनमें से एक यह भी है कि जो पालतू पशु हैं, उनको जहर देकर मारा जाता है, उनको विष देकर मारा जाता है और फिर उनका मांस होटलों में दिया जाता है। जो मांस विक्रेता हैं, उनके यहाँ तक इसे पहुँचाया जाता है। यही नहीं, उच्चतम न्यायालय ने भी यह आदेश दिया है कि राजधानी के आसपास के 40 किलो मीटर के क्षेत्र में इस प्रकार पशुओं की चीर-फाड़ नहीं हो सकती, लेकिन उन सब कानूनों, नियमों और उच्चतम न्यायालय के आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और यहाँ की सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूँगा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करे। यही नहीं, जो पशु मारे जा रहे हैं या जिन पालतू पशुओं और आवारा पशुओं को विष देकर मारा जाता है, उनमें गाय का मांस भी अलग ..(व्यवधान).. संग्रहित करते हैं। भैंस, गाय और बछड़ों को जहर देकर मारा जाता है और फिर चुपके से, दो नम्बर से मांस विक्रेताओं को गाय का मांस बेचा जाता है और उसे खिलाया जाता है। यह अत्यंत मानवीय संवेदना वाला मामला है। यह धार्मिक सद्भावना को बिगाड़ने का प्रयास है, जो गलत तरीके से यहाँ पर पैदा किया जा रहा है।

माननीय महोदय, इस मामले में दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार मिल कर ऐसी प्रवृत्ति को रोकने का प्रयास करे, क्योंकि यदि इस प्रकार की प्रवृत्ति नहीं रोकी गयी तो यह प्रवृत्ति अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ेगी, लोगों के स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुँचाएगी और यह सद्भावना को बिगाड़ने का काम भी करेगी। मैं सरकार से अनुरोध

करना चाहूँगा कि दिल्ली सरकार इस सारे मामले में मिली हुई है। वहाँ के जो लोग हैं, वे मिले हुए हैं। वहाँ की पुलिस मिली हुई है और पुलिस को राजनेताओं का संरक्षण है। उन्हीं की देखरेख में इस प्रकार प्रछन्न रू प से गोहत्याएँ हो रही हैं और गौ का मांस होटलों में परोसा जा रहा है। इसको रोकने का प्रयत्न होना चाहिए। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि दिल्ली की सरकार को नियंत्रित करें और इस मामले को आप स्वयं देखें।

डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान) : सर, मैं इस विषय से अपने आपको एसोसिएट करती हूँ।

श्री कृष्ण लाल बाल्मीकि (राजस्थान) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको एसोसिएट करता हूँ।

श्री कप्तान सिंह सोलंकी (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं भी अपने आपको इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूँ।

श्री भागीरथी माझी (उड़ीसा) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

SHRI BHARATKUMAR RAUT (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Spreading of Brain fever in Eastern Uttar Pradesh

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं आपके माध्यम से पूर्वी उत्तर प्रदेश में फैली बीमारी, मस्तिष्क ज्वर की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। सर, पिछले 30 वर्षों से पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बस्ती, देवरिया, मऊ, बहराइच, गोंडा, आजमगढ़ आदि जिलों में अगस्त से लेकर फरवरी माह तक एक विशेष किस्म का बुखार फैलता है, जिसे मस्तिष्क ज्वर या जापानी बुखार के नाम से जाना जाता है। यह विशेषकर 15 वर्ष की उम्र के बच्चों में होता है। इससे बच्चों में तेज बुखार, शरीर में ऐंठन होती है और बच्चा कोमा में चला जाता है। इसके बाद उसकी मृत्यु हो जाती है या बच्चा विकलांग हो जाता है अथवा वह मानसिक रू प से विक्षिप्त हो जाता है। पिछले 30 वर्षों में इस बीमारी के कारण हजारों जानें गयी हैं। इस वर्ष भी पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस बीमारी का बहुत भयंकर प्रकोप है। कल लोक सभा में सरकार ने माना कि इस बीमारी से पूरे देश के अंदर 666 जानें जा चुकी हैं।

उसमें उत्तर प्रदेश राज्य में 545 लोग मरे हैं। सर, यह एक सरकारी आंकड़ा है, जबकि मरने वालों की संख्या कई हजारों में है। सर, इस गंभीर बीमारी का अब तक कोई विशिष्ट उपचार नहीं हुआ, न होता है। अभी तक इस बीमारी के वायरस के बारे में भी सरकार या जो अस्पताल हैं, कुछ पता नहीं लगा सके। इस बीमारी का आज पूर्वी उत्तर प्रदेश में न कोई डाक्टर है, न टीका है, न दवा है। जहां सरकार ने कहा है कि हमने 100 प्रतिशत तक टीकाकरण किया है, वहां भी यह बीमारी भयंकर रूप से फैली है।

अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि वह इस संबंध में पूर्वी उत्तर प्रदेश में पर्याप्त टीके की व्यवस्था करे और केन्द्र से डाक्टरों की एक टीम पूर्वी उत्तर प्रदेश में अविलम्ब भेजने का काम करे। धन्यवाद।

श्री वीर पाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं इनसे अपने आपको एसोसिएट करता हूं।

Selling of rice below MSP by farmers of Uttar Pradesh

प्रो0 राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, केन्द्र सरकार ने धान के लिए 1,000 रुपए प्रति क्विंटल का मिनिमम सपोर्ट प्राइस निश्चित किया है, लेकिन उत्तर प्रदेश में एक दाना भी धान का खरीदा नहीं जा रहा है। नतीजा यह है कि किसान गरीबी की वजह से मजबूरी में और अपना जीवनयापन करने के लिए 800 रुपए प्रति क्विंटल धान बेचने को मजबूर हो रहे हैं और यह स्थिति इसलिए और भी ज्यादा खराब हो गई है क्योंकि पिछले वर्ष गवर्नमेंट को जो लेवी लेनी चाहिए थी, राइस मिलों से जो चावल FCI लेती थी, इटावा और मैनपुरी जिले से एक दाना भी नहीं लिया गया। करोड़ों रुपए का चावल गोदामों में भरा हुआ है और सड़ रहा है। किसानों को उस वक्त भी पैसा नहीं मिला ...(व्यवधान)...